बिहार विधान परिषद

(195 Monsoon Session)

04 August 2020

[ऊर्जा - उद्योग - स्वास्थ्य - अल्पसंख्यक कल्याण - गन्ना उद्योग - संसदीय कार्य - विधि लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग].

11

भुगतान में छूट

*1 **श्री संजीव श्याम सिंह (शिक्षक गया):**

उद्योग :-

क्या मंत्री, उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि कोरोना वायरस महामारी के कारण राज्य के सभी कल-कारखाने बंद हो गए;

(ख) क्या यह सही है कि कारखाने बंद होने से सभी तरह की खरीद-बिक्री, प्रेषण और भुगतान रूक गये एवं इस कारण उद्योगपतियों की आमदनी भी नहीं हो पा रही है;

(ग) क्या यह सही है कि हालात सामान्य होने के बाद भी उद्योगपति कारखानों के पूरी तरह चालू होने तक बिजली बिल का भुगतान करने की स्थिति में नहीं होंगे;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उद्योगों के लिए निर्धारित न्यूनतम बिजली शुल्क भुगतान में छूट देने का विचार रखती है?

कार्रवाई पर विचार

*2 **श्री गुलाम रसूल (विधान सभा):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि स्वास्थ्य विभाग के पत्रांक-217(4) दिनांक- 16.02.2017 के आलोक में स्वास्थ्य प्रशिक्षक संवर्ग का पुनर्गठन करते हुए मूल कोटि का पद राज्य के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों और निदेशालय स्वास्थ्य सेवाएं, बिहार में चिन्हित किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि विभागीय पदाधिकारियों द्वारा उक्त संवर्ग के कर्मियों के प्रति द्वेष की भावना से ग्रसित होकर करीब तीन वर्षों की अवधि बीत जाने के बावजूद भी चिन्हित पदों पर पदस्थापना नहीं की जा रही है;

(ग) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार मूल कोटि के चिन्हित पदों पर पदस्थापना करते हुए नियम के प्रतिकूल कार्य करने वाले पदाधिकारियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

राशि का भुगतान

***3 श्री रामचन्द्र पूर्वे (विधान सभा):**

गन्ना उद्योग :-

क्या मंत्री, गन्ना उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर के 40,000 (चालीस) हजार किसान प्रतिवर्ष अपने खेतों में कैश क्रोप्स के रूप में ईख की खेती कर सीतामढ़ी के रीगा चीनी मिल में पेड़ाई के लिये तीस लाख कुंटल गन्ना भेजते हैं;

(ख) क्या यह सही है कि पिछले सीजन का ईख मूल्य का सौ करोड़ रुपयों का बकाया रीगा चीनी मिल पर किसानों का है;

(ग) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो ससमय ईख की पेड़ाई के बाद प्रति वर्ष किसानों का ईख मूल्य की राशि के भुगतान हेतु क्या सरकार कारगर कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं तो क्यों?

जांच की व्यवस्था

***4 श्री राधाचरण साह (स्थानीय प्राधिकार, भोजपुर एवं बक्सर):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि राज्य में कोरोना की जांच सरकारी अस्पताल में होती है;

(ख) अब तक राज्य में कितने लोगों की कोरोना की जांच की गई है, कितने

अस्पतालों में जांच की व्यवस्था की गई है;

(ग) क्या यह सही है कि कोरोना की जांच प्रखंड में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अनुमंडलीय अस्पतालों में नहीं होने के कारण लोगों को काफी कठिनाई हो रही है;

(घ) यदि उपरोक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कब तक प्रखंड में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और अनुमंडलीय अस्पतालों में कोरोना की जांच की व्यवस्था कराना चाहती है?

कार्रवाई पर विचार

*5 **श्री प्रेम चन्द्र मिश्रा (विधान सभा):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि आयुष्मान भारत योजना में राज्य के लिए आबंटित राशि के खर्च नहीं होने तथा खर्च की गई राशि का ब्योरा केंद्र को नहीं भेजने की वजह से बिहार को मिलने वाली राशि को रोक दी गई है;

(ख) क्या यह सही है कि आयुष्मान भारत केंद्र और राज्य सरकार की साझेदारी वाली योजना है तथा किसी कारण वश राज्य सरकार केंद्र को आंकड़ा नहीं भेजती या राशि का 75 फीसदी हिस्सा खर्च नहीं कर पाती तो केंद्र राशि रोक देता है;

(ग) क्या यह सही है कि प्रधानमंत्रीजन आरोग्य योजना यानी आयुष्मान भारत के लिए वित्तीय वर्ष 2019-20 में 6400 करोड़ रुपये आवंटित हुए थे, जिसे अब घटाकर 3200 करोड़ कर दिया गया है;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बताएगी कि ऐसी लापरवाही क्यों की गई विभाग के द्वारा तथा इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की कोई योजना है?

विद्युत पोल की व्यवस्था

*6 **श्री सी.पी; सिन्हा उर्फ चन्देश्वर प्रसाद सिन्हा (विधान सभा):**

ऊर्जा :-

क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिलान्तर्गत झंझारपुर अनुमंडल के अंधराठाढ़ी प्रखंड के रूद्रपुर गांव निवासी श्री श्याम राय, पे०-स्व. उत्तम राय के घर के सामने

बिजली का पोल नहीं रहने के कारण काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि बांस-बल्ले के सहारे बिजली का उपयोग कियाजा रहा है, जिससे कभी भी अप्रिय घटना घट सकती है;

(ग) क्या यह सही है कि इनके अगल-बगल में बिजली का पोल गाड़ा जा चुका है, जबकि इस अति पिछड़ा समुदाय से आनेवाले व्यक्ति को कोई देखने वाला नहीं है;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कब तक बिजली का पोल गड़वाने का विचार रखती है, यदि हां, तो कब तक, नहीं तो क्यों?

चलन्त स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की व्यवस्था

***7 डा. संजीव कुमार सिंह (कोशी शिक्षक):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि सूबे के ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी स्वास्थ्य सेवा की सुलभ उपलब्धता का अभाव है जिसके कारण सामान्य एवं आकस्मिक चिकित्सा की चाह रखने वालों को शहरी क्षेत्र में जाकर ही इलाज कराने में कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है;

(ख) यदि उपरोक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के लोकजीवन की बेहतरी स्वास्थ्य तथा चिकित्सा हेतु चिकित्सक एवं आवश्यक दवाइयों से लैस ' चलन्त स्वास्थ्य सेवा प्रणाली' (Mobile Health Service System) विकसित करना चाहती है; यदि हां तो कब तक, नहीं तो क्यों?

वेतन का भुगतान

***8 श्री संजीव श्याम सिंह (शिक्षक गया):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि राज्य के मेडिकल कॉलेज, सदर हॉस्पीटल, पीएचसी/सीएचसी, रेफरल हॉस्पीटलों सहित दूसरे सरकारी हॉस्पीटलों में कार्यरत डॉक्टर, मेडिकल ऑफिसर, पैरामेडिकल स्टाफ सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को पिछले 6 से 8 महीने से वेतन नहीं मिला है;

(ख) क्या यह सही है कि वेतन नहीं मिलने से इन कर्मचारियों को काफी आर्थिक एवं

मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार शीघ्र इनका वेतन भुगतान करना चाहती है, यदि हां तो कब तक?

मानदेय का भुगतान

*9 **श्री रामचन्द्र पूर्वे (विधान सभा):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि मधेपुरा जिलान्तर्गत प्रा.स्वा. केन्द्रों में कार्यरत संविदा चिकित्सकों,गार्ड एवं आउट सोर्सिंग कर्मचारियों को विगत आठ महीनों से मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि जिला पदाधिकारी, मधेपुरा ने अपने पत्रांक 129 दिनांक-17.03.2020 के द्वारा इन कर्मचारियों को भुगतान करने हेतु आवंटन की मांग की है जिस पर आजतक कोई कारवाई नहीं की जा सकी है;

(ग) क्या यह सही है कि इस वैश्विक महामारी में अपना जान जोखिम में रखकर कोरोना मरीजों की सेवा में पूर्ण रूप से समर्पित है, मानदेय का भुगतान नहीं होने से इन कर्मचारियों के समक्ष आर्थिक कठिनाई हो गयी है;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार मधेपुरा जिलान्तर्गत प्रा.स्वा. केन्द्रों में कार्यरत संविदा चिकित्सकों, गार्ड एवं आउट सोर्सिंग कर्मचारियों को शीघ्र मानदेय का भुगतान करने का विचार कबतक रखती है?

ठोस नियम बनाने पर विचार

*10 **श्री संजीव श्याम सिंह (शिक्षक गया):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि राज्य के अधिकतर निजी अस्पताल मनमाने ढंग से मरीजों से पैसा वसूलते हैं;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य के सरकारी अस्पताल में सिजेरियन प्रसव मुफ्त है, जबकि प्रमुख निजी क्लिनिकों में इसका 50 हजार तक का बिल आता है;

(ग) क्या यह सही है कि कई बार उम्मीद से कहीं ज्यादा नर्सिंग होम द्वारा बिल देने

पर मरीजों द्वारा राशि नहीं देने की स्थिति में दुर्व्यहार किया जाता है एवं कभी-कभी बंधक भी बना लिया जाता है;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इसे रोकने हेतु कोई ठोस नियम बनाकर उसे कठोरतापूर्वक लागू करने का विचार रखती है?

पेयजल की व्यवस्था

*11 **श्री रामचन्द्र पूर्वे (विधान सभा):**

लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग :-

क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि पटना के दानापुर अनुमंडल के अधीन आर.पी.एस. पथ के अन्तर्गत सर गणेश दत्त कॉलेज के बगल में शुद्ध पेय जल की आपूर्ति हेतु विगत चार वर्ष पूर्व विभाग द्वारा टंकी का निर्माण किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि आजतक उस टंकी से पेय जल की आपूर्ति नहीं हो सकी है केवल टंकी खड़ा है जिस पर सरकार का लाखों रुपये खर्च हो चुका है;

(ग) क्या यह सही है कि आर.पी.एस. पथ के दोनों ओर करीब पचास हजार की आबादी है जहां सरकारी स्तर पर शुद्ध पेय जल की व्यवस्था नहीं है;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो उक्त टंकी से पेय जल नहीं आपूर्ति होने का क्या कारण है?